अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2022) दिनांक : 17.08.2022

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

बावन बोल–25

प्र. 1 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) तेईस पदवी कितने भाव? कितनी आत्मा? तथा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ख) आठ कर्मों का उदय, उपशम, क्षय, क्षयोपशम छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ग) चौदह गुणस्थानों में आश्रव व संवर के बोल कितने-कितने पाते हैं?

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) उदय के तैंतीस बोल किस-किस कर्म के उदय से?

(ख) चौबीस दण्डकों में लेश्या कितनी?

(ग) चौदह गुणस्थान कितने भाव? कितनी आत्मा?

(घ) बाईस परीषह किस-किस कर्म के उदय से?

प्र. 3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) जीव पदार्थ आत्मा कितनी? यावत् मोक्ष पदार्थ आत्मा कितनी?

(ख) संवर के बीस बोल कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ग) अजीव के चौदह भेद ऊंचे, नीचे, तिरछे लोक में कितने-कितने?

(घ) उदय के तैंतीस बोलों में कौन-कौन आत्मा?

इक्कीस द्वार–25

प्र. 4 कोई चार बोल पूरे लिखें– 20

(क) सामायिक संयति।

(ख) अनाहारक।

(ग) वचन योगी।

(घ) वेदक सम्यक्त्वी।

(ङ) सम्यक्-मिथ्या दृष्टि

(च) चक्षु दर्शनी।

प्र. 5 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें– (कितने व कौन-कौन से पाते हैं) 5

(क) तिर्यंच स्त्री–वीर्य व दण्डक।

(ख) स्त्री वेदी–योग, दण्डक।

(ग) तेजोलेश्यी–जीव के भेद, गुणस्थान।

(घ) औपशमिक सम्यक्त्वी–उपभोग, भाव।

(ङ) परिहार विशुद्धि संयति–योग, लेश्या।

(च) अनाकारोपयुक्त–गुणस्थान, आत्मा।

(छ) अपर्याप्त–योग, दृष्टि।

जैन तत्त्व प्रवेश (द्वितीय व तृतीय खण्ड)–30

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 5

(क) श्रावक का तीसरा विश्राम लिखें।

(ख) निर्वेद का अर्थ लिखें।

(ग) निक्षेप किसे कहते हैं?

(घ) व्रत का दूसरा नाम क्या है?

(ङ) व्यावहारिक दान किसे कहते हैं?

(च) प्रेष्य प्रतिमा लिखें।

(छ) प्रत्यक्ष प्रमाण किसे कहते हैं?

प्र. 7 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) पुण्य-पाप द्वार लिखें।

(ख) प्रमाण द्वार के नय से आरम्भ कर अन्त तक लिखें।

(ग) गुणस्थान द्वार लिखें।

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) 'नीम आंबादिक..... धर्म केम' वाला दोहा लिखें।

(ख) सम्यक्त्व के दूषण अर्थ सहित लिखें।

(ग) उपासक प्रतिमा द्वार में प्रथम तीन प्रतिमा लिखें।

(घ) उपाङ्ग कितने हैं? नाम लिखें।

(ङ) बिच्छू में शरीर, योग, उपयोग बताएं।

(च) श्रावक गुणद्वार लिखें।

(छ) 'श्रावक सुपातर.....घमसाणो रे' दोहा लिखें।

पूर्व कंठस्थ ज्ञान–20

प्र. 9 किन्हीं आठ प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखें– 12

प्रत्येक खण्ड से दो प्रश्नों को हल करें–

पच्चीस बोल–

(क) दसवां योग।

(ख) आश्रव का उन्नीसवां भेद।

(ग) ध्यान का अर्थ।

चतुर्भंगी–

(घ) किस उपयोग के जीव कम, किस उपयोग के जीव अधिक।

(ङ) इन्द्रिय किस कर्म का उदय।

(च) द्रव्य जीव या अजीव?

पच्चीस बोल की चर्चा–किसमें व कौन-कौन से?

(छ) पांच प्राण।

(ज) दस योग।

(झ) सात दण्डक।

तत्त्व चर्चा

(ञ) दिन रात छह में कौन? नौ में कौन?

(ट) पुण्य और पुण्यवान एक या दो?

(ठ) अरिहंत भगवान संज्ञी या असंज्ञी?

प्र. 10 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) वेदनीय कर्म की स्थिति लिखें ***अथवा*** उदय व उदीरणा की व्याख्या करें।

(ख) द्रव्य-गुण-पर्याय द्वार में सामान्य गुण की परिभाषा व उसके भेदों को अर्थ सहित लिखें ***अथवा*** आत्म द्वार लिखें।